

UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY, HALDWANI (NAINITAL)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी (नैनीताल)



M.A Yoga M.A.Y-12

एम0 ए0 योग

द्वितीय वर्ष

सत्रीय कार्य

*Last Date of Submission: 15 May 2014***Course Title: Naturopathy****Course Code: M.Y 09****कोर्स शीर्षक: प्राकृतिक चिकित्सा****कोर्स कोड: एम0वाई 09****Session 2013-14 (SUMMER)****Maximum Marks: 40****सत्र: 2013-14 ग्रीष्मकालीन****अधिकतम अंक: 40****Section 'A'**

Section 'A' contains 08 short answer type questions of 5 marks each. Learners are required to answer 4 questions only. Answers of short answer-type questions must be restricted to 250 words approximately.

भाग 'क' में आठ लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं इनमें से केवल चार प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित हैं तथा प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

1. प्राकृतिक चिकित्सा का विकासक्रम ।
2. महत तत्व की प्राकृतिक चिकित्सा में उपयोगिता ।
3. निदान की अवधारणा ।
4. पाचन संस्थान के रोगों में मिट्टी चिकित्सा का महत्व।
5. प्राण शक्ति की अवधारणा।
6. जल के उपचारीय गुण।
7. स्वास्थ्य रक्षण में अभ्यंग की उपयोगिता।
8. पाचन संस्थान के रोगों में एनिमा का महत्व।

Section 'B'

Section 'B' contains 04 long answer-type questions of 10 marks each. Learners are required to answer 02 questions only.

भाग 'ख' में चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, इनमें से केवल दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रत्येक प्रश्न के लिए दस अंक निर्धारित हैं।

1. पंच महाभूतों से आप क्या समझते हैं, प्राकृतिक चिकित्सा में इनका क्या योगदान है।
2. प्रतिरोधक क्षमता से आप क्या समझते हैं। प्रतिरोधक क्षमता को योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा से कैसे बढ़ाया जा सकता है।
3. शारीरिक, मानसिक, समाजिक एवं आध्यात्मिक रोगों का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।
4. रोगों की एकरूपता के सिद्धान्त को स्पष्ट कीजिए।

